राजस्य विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 18 जनवरी, 1984

कमांक 1733-ज(I)-83/1590.—श्री हरदवारी लाल, पुत्र श्री मेयर, गांव रिठाल, तहसील गोहाना, जिला सोनीपत, की दिनांक 1 अगस्त, 1975 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिष्ठिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाथा गया है श्रीर उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री हरदवारी लाल की मुक्लिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना कमांक 5076-ज-II-72/2359, दिनांक 24 जनवरी, 1973 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उस की विधवा श्रीमती चन्द्रावती के नाम रवी, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रखी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनक्ष में दी गई शती के श्रन्तगंत प्रदान करते हैं।

दिनांक 19 जनवरी, 1984

क्रमांक 1752-ज-(II)-83/1668. — श्री हरदवारी लाल, पुत्र श्री श्यो नन्द, गांव बोन्द कलां, तहसील दादरी, जिला भिवानी, की दिनांक 2 सितम्बर, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्राधिनयम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रपनाया गया है श्रीर उसमें श्राज तक. संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के श्रधीन प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए श्री हरदवारी लाल की मुक्तिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की श्रधिसूचना क्रमांक 1524-ज-(I)-75/18870, दिनांक 30 जून, 1975 तथा श्रधिसूचना क्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1979, द्वारा मंजूर की गई थी, श्रब उसकी विधवा श्रीमती पारवती के नाम रबी, 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के श्रक्तगंत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1754-ज-(II) -83/1672 -- श्री म इ राम, पुत्र श्री राम दक्षल, गांव म हह ना, तहतीन दादरी, जिला भिवाणी, की दिनांक उजुलाई, 1982 को हुई मृत्यु के परिणाम स्त्रहा, हरियाणा के राज्याल, पूर्वी पंजाव युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री माड़ राम को मुल्लिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 6396-आर.-4-67/4696, दिनांक 13 दिसम्बर, 1967, श्रधिसूचना क्रमांक 5041- आर-[II-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1789-ज(I) 79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमतीं राम मनोहरी के नाम रबी, 1983 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के अन्तेगत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1753-ज(II)-83/1676.—श्री गुगन राम, पुत श्री लोक राम, गांव बहराई, तहसील दादरी, जिला भिवानी, की दिनांक 18 मार्च, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार श्रिवित्यम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपनाया गया है ग्रीर उसमें ग्राज तक संगोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के श्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री गुगन राम को मुन्तिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाव/हरियाणा सरकार की श्रधिसूचना क्रमांक 10707-जे.-एनं.-III-66/18348, दिनांक 25 श्रगस्त, 1966, श्रधिसूचना क्रमांक 5041-श्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1789-जे-1-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1979 द्वारा मन्जूर की गई थी, श्रव उसकी विधवा श्रीमती घोघड़ी के नाम खरीक, 1981 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तगंत प्रदान करते हैं।

टी. श्रार. तुली, श्रवर सचिव, हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग।